RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 27 MARCH TO 02 APRIL 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 27 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

पीएम सूर्य घरः रूफ टॉप सोलर पैनल से बनेगी कितनी बिजली, कितना होगा फायदा? Page 2

पैसे से जुड़े ये 5 नियम 1 अप्रैल से बदल जाएंगे Page 3

एक अप्रैल से सफर हो जाएगा महंगा, NHAI ने बढ़ा दिया है टोल Page 5

editoria!

ये गर्मी कुछ कहती है

बढ़ती गर्मी आम आदमी के लिए एक सामान्य खबर हो सकती है, लेकिन इसको सामान्य दृष्टिकोण से देखना आने वाले बड़े खतरों की तरफ से मुंह मोड़ने जैसा है। वर्ल्ड मीटिअरलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन (WMO) के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि पिछले 10 सालों में धरती का तापमान औसत से ज्यादा ही रहा है। 2024 में तापमान के और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। इसका असर धरती के समूचे मौसम चक्र और कालांतर में मनुष्य के जीवन चक्र पर पड़ेगा और सब कुछ उलट-पलट कर रख देगा। इसके चलते कहीं बेमौसम बारिश और कहीं भयानक गर्मी पड़ने की आशंका है। दुनिया विकास के नाम पर संसाधनों का दोहन करते हुए जिस तरह आगे बढ़ रही है, अंदेशा है कि सन 2050 तक दुनिया का तापमान डेढ़ डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके बाद अगले पचास सालों में दुनिया का तापमान दो से चार डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि औद्योगिकीकरण से पहले के काल की तुलना में 2023 में धरती का औसत तापमान 1.45 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि मौसम खुद को जितनी तेजी से बदल रहा है, हम मनुष्य उतनी तेजी से अपना व्यवहार और बर्ताव नहीं बदल पा रहे। शायद हम मनुष्य इस बात को नहीं समझ पा रहे कि मौसम हमारे द्वारा बनाई गई सीमाओं को नहीं मानता। मौसम का संकेत मौसम की चेतावनी पूरी धरती के लिए, अर्थात इस धरती पर रहने वाले, पलने वाले, फलने-फूलने वाले, हर चल-अचल के लिए है। इसलिए पर्यावरण के बारे में वर्ल्ड लीडरों की भाषणबाजी से ज्यादा प्रत्यक्ष रूप से अपने आचरण में ठोस बदलाव की जरूरत है। इस बात को गंभीरतापूर्वक समझना होगा कि अगर मौसम के बदलने की रफ्तार तेज है तो हमें भी अपने कार्बन उत्सर्जन के मानकों और उद्देश्यों को तेजी से नए सिरे से निर्धारित करना होगा। न सिर्फ कार्बन उत्सर्जन, बल्कि मीथेन और नाइट्रेड ऑक्साइड भी नई चुनौती है। चीन के बाद भारत ही सबसे ज्यादा मीथेन का उत्सर्जन करता है। इसकी बड़ी वजह हमारा पशुधन है। पशुधन को बचाते हुए मीथेन को नियंत्रित करना होगा। विकास और पर्यावरण में संतुलन जैसी बाज़ारवादी संकल्पनाओं को कुछ समय के लिए विराम देना होगा। लेकिन दुर्भाग्य से इस दिशा में मानव समाज की कोई ठोस तैयारी दिखाई नहीं देती। यही वजह है कि इन दिनों धरती को आहत करने वाले चक्रवाती तूफानों की संख्या में कुछ वर्षों से तेजी से इजाफा हुआ है। उत्तराखंड में तबाही के मंजर को कौन याद करना चाहेगा? हर साल कोई न कोई चक्रवाती तूफान धरती के किसी न किसी हिस्से को तहस-नहस कर दे रहा है। आपको याद होगा कि पिछले साल बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'मोका' से तकरीबन 17 लाख लोग बेघर हो गए थे। कहने का तात्पर्य यही है कि बढ़ते हुए तापमान का यह खतरा भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए बाकी दुनिया से ज्यादा है। इसके पहले शिकार हमारे देश के किसान बनने वाले हैं। भारत के किसानों पर और खेती पर इसका असर दिखाई पड़ने लगा है। मौसम बदल रहा है, फसलों का चक्र बदल रहा है, उत्पादन बदल रहा है। हमारे लिए यह ज्यादा चिंता का विषय इसलिए भी है कि भारत में खेती सर्वाधिक रोजगार देने वाला सेक्टर है, क्योंकि कृषि से जुड़े तमाम पूर्ण व्यवसाय भी हैं। हमारा पशुधन, हमारा मत्स्य व्यवसाय, हमारी सागर संपदा सबकुछ दांव पर है। लिहाजा भारत के आर्थिक महासत्ता बनने के सपने के लिए भी बढ़ते तापमान को एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जाना चाहिए और व्यक्तिगत स्तर पर अपने व्यवहार में चेंज लाना चाहिए।

रूस से 10 दिन में भारत पहुंचेगा सामान

पश्चिमी देशों को ठेंगा दिखाने के लिए क्या है प्लान?

एजेंसी

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं। इस तरह रूस के व्यापार के सभी परंपरागत रास्ते बंद हो चुके हैं। रूस ने अब दक्षिणी रूट पर अपना फोकस बढ़ा दिया है। वह ईरान में एक रेल लाइन को फंड कर रहा है। इससे रूस का सीधा संपर्क ईरान के बंदरगाहों से हो जाएगा और वह पश्चिमी प्रतिबंधों को ठेंगा दिखा सकता है। रूस एक ऐसी रेल लाइन बना रहा है जिससे सामान को सेंट पीटर्सबर्ग से मुंबई पहुंचने में महज 10 दिन का समय लगेगा। अभी इसमें 30 से 45 दिन का समय लगता है। कई शताब्दियों से रूस की इकॉनमी में यूरोप के साथ ट्रेड सबसे अहम था। लेकिन यूक्रेन युद्ध ने इस स्थिति को बदल दिया है। यूक्रेन युद्ध के बाद चीन और भारत के साथ रूस का व्यापार कई गुना बढ़ गया है। यही वजह है कि रूस अब एक ऐसी रेल लाइन बना रहा है जिससे भारत और चीन तक उसकी पहुंच आसान हो जाएगी। दावा किया जा रहा है कि यह रेल लाइन आने वाले दिनों में स्वेज नहर से होने वाले ट्रेड को कड़ी टक्कर दे सकती है।

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह की पाबंदियां लगाई हैं। इसके जवाब में रूस ने भी उन देशों के साथ कारोबारी रिश्ते बढ़ाए हैं जो उसके साथ बिजनस करना चाहते हैं। इनमें भारत, चीन और फारस की खाड़ी के देश शामिल हैं। रूस के नीति-निर्माताओं ने अब इस सदर्न रूट पर फोकस करना शुरू कर दिया है। इसमें सबसे अहम है 160 किमी लंबी रेल लाइन। 1.7 अरब डॉलर की इस लाइन पर इसी साल काम शुरू होने की उम्मीद है। इससे रूस सीधे ईरान के बंदरगाहों से जुड़ जाएगा। इससे मुंबई तक उसकी पहुंच आसान जाएगी। रूस ने इस प्रोजेक्ट के लिए ईरान को 1.4 अरब डॉलर का लोन देने पर सहमति जताई है।

सारे रास्ते बंद

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बारे में बाकू के ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट रऊफ अगामिराजायेव ने कहा कि रूस के परंपरागत व्यापार के रास्ते बंद हो गए हैं, इसलिए उसे दूसरे विकल्पों की तरफ देखना पड़ रहा है। पश्चिमी पाबंदियों से पार पाने के लिए रूस कई तरीके अपना रहा है। मसलन मशीनरी भारत से मंगाई जा रही है जबकि तुर्की और खाड़ी देशों से भी दूसरे तरह के सामान मंगाए जा रहे हैं। यहां तक कि यूरोपीय सामान भी तीसरे देशों के जरिए रूस पहुंच रहे हैं।

10 दिन का समय

रूस की सरकार ईरान की रेलवे लाइन को काफी तवज्जो दे रही है। इसे आयात और निर्यात के लिए काफी अहम माना जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति

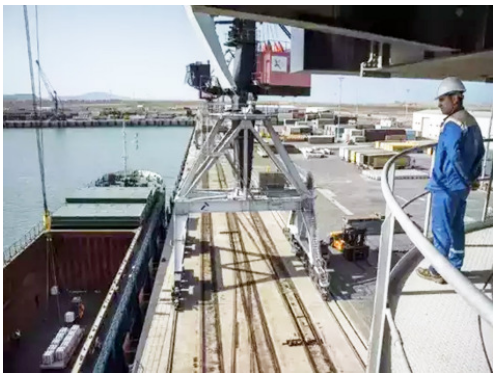

व्लादीमिर पुतिन का कहना है कि इस नए रूट से सामान को सेंट पीटर्सबर्ग से मुंबई पहुंचने में दस दिन लगेंगे। अभी इसमें 30 से 45 दिन का समय लगता है। रूस के अधिकारियों का कहना है कि यह एक क्रांतिकारी प्रोजेक्ट है जो स्वेज नहर को टक्कर देगा। इससे भारत के साथ-साथ चीन तक भी सामान का आवाजाही सुगम होगी। यूक्रेन युद्ध के बाद चीन के साथ रूस का ट्रेड 61 फीसदी बढ़कर 240 अरब डॉलर पहुंच चुका है।

भारत के साथ ट्रेड

भारत और रूस का ट्रेड 2021 की तुलना में चार गुना बढ़कर 65 अरब डॉलर पहुंच चुका है। भारत और चीन के साथ रूस का ट्रेड यूरोपियन यूनियन के साथ उसके ट्रेड से आगे निकल चुका है। रूस और यूरोपियन यूनियन के साथ 2021 में 282 अरब डॉलर का ट्रेड हुआ था। भारत बड़ी मात्रा में रूस से कच्चा तेल मंगा रहा है।

क्या होगा फायदा

नई रेल लाइन ईरान के दो शहरों अस्तारा और राश्त को जोड़ेगी। इससे ईरान उत्तर में अजरबैजान से जुड़ जाएगा और इस तरह रूसी रेलवे के ग्रिड तक इसकी पहुंच हो जाएगी। इस रेल लाइन के 2028 में पूरा होने की उम्मीद है। इस तरह यह पूरा स्ट्रैज 6,920 किमी लंबा होगा। फारस की खाड़ी में ईरानी बंदरगाहों के जरिए रूसी कारोबारियों की भारत तक आसान पहुंच होगी। साथ ही आसानी से सऊदी अरब, यूएई और पाकिस्तान भी पहुंचा जा सकता है।

प्रति व्यक्ति आय में हो रहे ये बदलाव, RBI ने बताया तेजी से ग्रोथ के पीछे क्या है वजह

नई दिल्ली। एजेंसी

मार्च 2024 के महीने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन के मुताबिक, प्रति व्यक्ति आय में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं। आरबीआई ने एमएमसीजी सेक्टर में संभावित नरमी और प्रति व्यक्ति आय वितरण में बदलाव के साथ इंडियन इकॉनमी के लिए बेहतर हो रही बातों पर रोशनी डाली है। स्टेट ऑफ इकॉनमी पर एक लेख में यह कहा गया है कि छोटे शहरों में अवसरों के कारण ग्रोथ हो रही है। सभी लाइफस्टाइल सेगमेंट में बिजनेस ग्रोथ दिखाई दे रही है। मार्केट रिसर्च से संकेत मिलता है कि घरेलू फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स सेक्टर अगले छह महीनों में मॉडरेट ग्रोथ देख सकता है। दूसरी ओर, प्रीमियम कंज्यूमर बिजनेस के लिए डिमांड आउटलुक मजबूत है और ग्रोथ की लय मीडियम टर्म में बनी रहने की उम्मीद है। आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि इससे पता चलता है कि प्रति व्यक्ति आय में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहे हैं। हालांकि इंफ्लेशन को तेजी से घटाकर चार फीसदी तक लाने के भारतीय रिजर्व बैंक के लक्ष्य की दिशा में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतें बाधा बन रही हैं।

महंगाई बन रही बाधा

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित रिटेल महंगाई रिटेल महंगाई दिसंबर से घट रही है। फरवरी में यह 5.09 फीसदी थी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई में एक टीम ने अपने लेख में कहा, भले ही डेडलाइन इंफ्लेशन में व्यापक नरमी के साथ महंगाई लगातार घट रही है, लेकिन खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों के दबाव के चलते इसे तेजी से चार फीसदी पर लाने में बाधा पैदा हो रही है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी ग्रोथ अनुमान को बढ़ाया गया है। अनुमान लगाया गया है कि FY25 में जीडीपी ग्रोथ रेट 7.4 फीसदी रह सकती है। इससे पहले फरवरी में पॉलिसी में आरबीआई ने इस अवधि के लिए अनुमान को 7 फीसदी पर रखा था।

अब इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में बीमा पॉलिसी रखना हो जाएगा जरूरी

जानिए इससे क्या फायदा होगा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जल्द ही आपके पास एक ऐसा e-Insurance Account (EIA) होगा, जिसमें आपकी तमाम इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे लाइफ, हेल्थ आदि मैनेज होंगी। यह सिक्योर ऑनलाइन अकाउंट होगा। इसमें सभी इंश्योरेंस पॉलिसी इलेक्ट्रॉनिक रूप में रहेगी। इससे किसी तरह के कागजी दस्तावेज को संभालने की झंझट से मुक्ति मिल जाएगी। पॉलिसी होल्डर को फिजिकल फॉर्मेट में डॉक्यूमेंट खोने, फटने का डर रहता है, लेकिन अब यह जोखिम नही होगा। इसके तहत 1 अप्रैल 2024 से सभी इंश्योरेंस पॉलिसियां इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी की जाएंगी। अपने EIA में एक बार विवरण अपडेट करने पर, सभी लिंक की गई पॉलिसियों में यह रिफ्लेक्ट होगा। पॉलिसी होल्डर्स अपनी पॉलिसी विवरण और renewal dates को आसानी से ट्रैक कर सकेंगे। बीमा रेगुलेटर IRDAI ने हाल ही में 1 अप्रैल, 2024 से प्रोटेक्शन ऑफ पॉलिसीहोल्डर इंटरेस्ट रेगुलेशन 2024 पेश किया है। यह रेगुलेशन सभी बीमा पॉलिसियों को इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में बदलने को अनिवार्य करता है।

CAMS Repository के CEO विवेक बेंगानी का इस बारे में कहना है कि 'अब सभी पॉलिसियों को इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी करना अनिवार्य है, चाहे आवेदन का तरीका कुछ भी हो। यह पहल पॉलिसीधारक के पोर्टफोलियो की सुरक्षा और उसके मैनेजमेंट को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है।' उन्होंने बताया कि ज्यादातर प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों और नॉन लाइफ इंश्योरर ने इलेक्ट्रॉनिक बीमा खाता (EIA) मैकेनिज्म को स्वीकार कर लिया है, जो पॉलिसीधारकों को अपनी पॉलिसी होल्डिंग्स को डिजिटल बनाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है।

स्कैम संभव नहीं

ऑनलाइन धोखाधड़ी को लेकर बढ़ती चिंताओं के जवाब में बेंगानी पॉलिसीधारकों को आश्वस्त करते हुए कहते हैं कि CAMS रिपॉजिटरी द्वारा Policy Genie पॉलिसीहोल्डर्स को EIA प्लैटफॉर्म पर शामिल करने के हमारे प्रयासों का हिस्सा है। हमारा मजबूत सुरक्षा सिस्टम सुनिश्चित करता है हर समय ग्राहक डेटा की सुरक्षा हो।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते रिकॉर्ड उछाल

अब इतने अरब डॉलर पर पहुंचा फॉरेक्स रिजर्व

एजेंसी

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते तगड़ी वृद्धि हुई है। आपको बता दें कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 मार्च को समाप्त सप्ताह में 6.396 अरब डॉलर बढ़कर 642.492 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 10.47 अरब डॉलर की उच्च वृद्धि के साथ 636.095 अरब डॉलर हो गया था। अक्टूबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्राभंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक गतिविधियों के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की गिरावट को थामने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया जिससे मुद्रा भंडार में थोड़ी कमी आई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में ये घटक शामिल

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 15 मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्राभंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.034 अरब डॉलर बढ़कर 568.386 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लिखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 42.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 51.14 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.276 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी 12.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.689 अरब डॉलर हो गयी।

अडानी पोर्ट्स ने गोपालपुर बंदरगाह में खरीदी 95 प्रतिशत हिस्सेदारी

3350 करोड़ रुपये में हुआ करार

एजेंसी

अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन लिमिटेड ने मंगलवार को शापूरजी पालोनजी ग्रुप और उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड से ओडिशा के गोपालपुर पोर्ट्स में 95 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने का ऐलान। ये अधिग्रहण 3,350 करोड़ रुपये की एंटरप्राइज वैल्यू पर किया गया है। बता दें, गोपालपुर पोर्ट्स में शापूरजी पालोनजी ग्रुप (एसपी ग्रुप) की कंपनी एसपी पोर्ट मेंटेनेंस प्राइवेट लिमिटेड की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी है और उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड (OSL) की 44 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

गोपालपुर बंदरगाह की क्षमता 2 करोड़ टन

अडानी पोर्ट्स की ओर से शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा गया कि गोपालपुर बंदरगाह ओडिशा के गंजाम जिले में स्थित दो करोड़ टन प्रति वर्ष की क्षमता वाला बंदरगाह है। उसने गोपालपुर पोर्ट लिमिटेड में एसपी समूह की पूरी 56 प्रतिशत हिस्सेदारी और ओएसएल की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए पक्का समझौता किया है। ओएसएल पांच प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ संयुक्त उद्यम भागीदार के रूप में बना रहेगा। सूचना के अनुसार 95 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए इक्विटी मूल्य 1,349 करोड़ रुपये है। इसका एंटरप्राइज वैल्यू 3,080 करोड़ रुपये है। यह सौदे के पूरा होने के समायोजन पर निर्भर है।

एंटरप्राइज वैल्यू के अलावा, 5.5 वर्षों के बाद 270 करोड़ रुपये का आकस्मिक भुगतान देय होगा। यह कुछ शर्तों को पूरा करने पर पर निर्भर है। बाद में किये जाने वाले भुगतानों को लेकर कुल एंटरप्राइज वैल्यू 3,350 करोड़ रुपये है।

कर्ज कम करने के लिए बेचा बंदरगाह

एसपी ग्रुप ने अलग से शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह योजनाबद्ध तरीके से परिसंपत्ति को बाजार पर चढ़ाने के साथ कर्ज में कमी लाने की रणनीति के तहत गोपालपुर पोर्ट में अपनी हिस्सेदारी एपीएसईजेड को 3,350 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर बेचने पर सहमत हो गया है। एपीएसईजेड ने कहा, "गोपालपुर पोर्ट्स लिमिटेड (जीपीएल) के अधिग्रहण से हमारे मौजूदा बंदरगाहों के साथ तालमेल बढ़ेगा और पूर्वी तट पर एपीएसईजेड की उपस्थिति मजबूत होगी। एपीएसईजेड के प्रबंध निदेशक करण अडाणी ने कहा, "गोपालपुर बंदरगाह के अधिग्रहण से हम अपने ग्राहकों को अधिक एकीकृत और बेहतर समाधान दे सकेंगे।"

पीएम सूर्य घर: रूफ टॉप सोलर पैनल से बनेगी कितनी बिजली, कितना होगा फायदा?

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने हाल ही में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। यह रूफ टॉप सोलर पैनल लगाने से जुड़ी स्कीम है। इसे लेकर कैंपेन शुरू किया गया है। इसका मकसद स्कीम के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूकता बढ़ाना है। यह नई स्कीम देश में उन एक करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली मुहैया कराएगी, जो छत पर सोलर इलेक्ट्रिसिटी पैनल लगाने का विकल्प चुनेंगे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना क्या है?

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना केंद्र सरकार की स्कीम है। इसका लक्ष्य देश में एक करोड़ परिवारों को मुफ्त बिजली देना है। छत पर सौर बिजली इकाई स्थापित करने का विकल्प चुनने पर यह मुफ्त बिजली मिलेगी। इसके तहत हर महीने मकान मालिक 300 यूनिट मुफ्त बिजली पा सकेंगे।

कितनी बचत कर पाएंगे आप?

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से सालाना करीब 15 हजार रुपये की बचत का रास्ता खुलेगा। हर महीने 300 यूनिट तक की बिजली खपत वाले परिवार को 3 किलोवाट क्षमता की रूफ टॉप सोलर यूनिट लगानी होगी। इससे एक परिवार अपनी खुद की जरूरत की बिजली पैदा कर सकता है। इससे वह अपने मासिक बिल पर 1,800 रुपये से 1,875 रुपये के बीच बचाएगा। अपनी बिजली की लागत को कम करने के अलावा मकान मालिक अतिरिक्त बिजली बेचकर कमाई भी कर सकेंगे।

सब्सिडी पर सीमा

पहल के तहत 2 और 3 किलोवाट क्षमता वाले सिस्टम के लिए 40% अतिरिक्त सिस्टम लागत पर सब्सिडी दी जाती है। जबकि 2 किलोवाट क्षमता तक के सिस्टम के लिए सौर इकाई की लागत का 60इ कवर किया जाता है। सब्सिडी पर 3 किलोवाट क्षमता की सीमा है। वर्तमान बेंचमार्क दरों के अनुसार, 1 किलोवाट सिस्टम पर 30,000 रुपये, 2 किलोवाट सिस्टम पर 60,000 रुपये और 3 किलोवाट सिस्टम या अधिक पर 78,000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी।

अगर सोलर रूफटॉप पैनल के लिए लोन लिया गया

सोलर यूनिट के फाइनेंस के लिए इस्तेमाल किए गए लोन पर 610 रुपये की ईएमआई कटने के बाद भी बचत लगभग 1,265 रुपये प्रति माह या लगभग 15,000 रुपये सालाना होगी। वे परिवार जो लोन नहीं लेते हैं वे ज्यादा पैसा बचाएंगे।

भारत के चालू खाते घाटे में आई गिरावट, अक्टूबर-दिसंबर में 10.5 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत का चालू खाता घाटा (CAD) वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में घटकर 10.5 अरब डॉलर रह गया है। यह भारत की जीडीपी का 1.2 प्रतिशत के बराबर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा मंगलवार को जारी की गई प्रेस रिलीज में ये जानकारी दी गई।

लगातार कम हो रहा चालू खाता घाटा

वित्त वर्ष 2023-24 में तिमाही दर तिमाही चालू खाता घाटे में गिरावट देखने को मिल रही है। जुलाई-सितंबर में ये 11.4 अरब डॉलर या जीडीपी का 1.3 प्रतिशत था। वहीं, पिछले साल समान अवधि यानी अक्टूबर-दिसंबर 2022 में ये 16.8 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 2 प्रतिशत था। आरबीआई द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि आयतित माल पर सीमा शुल्क डेटा के समायोजन के कारण वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही का चालू खाता घाटा एक प्रतिशत से बढ़कर 1.3 प्रतिशत हो गया है। अप्रैल से दिसंबर की तिमाही में चालू खाता घाटा 1.2 प्रतिशत रहा है, जो कि एक वर्ष पहले 2.6 प्रतिशत पर था।

व्यापारिक घाटा बढ़ा

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में व्यापारिक घाटे में मामूली उछाल देखने को मिला है। यह बढ़कर 71.6 अरब डॉलर हो गया है, जो कि एक वर्ष पहले करीब 71.3 अरब डॉलर था। हालांकि, इस दौरान सेवाओं के निर्यात में 5.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। आरबीआई द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि सेवाओं के निर्यात में बढ़ोतरी होने से चालू खाते घाटे में कमी आई है।

वाणिज्य मंत्रालय द्वारा बताया गया कि भारत का व्यापारिक घाटा लगातार बढ़ रहा है। फरवरी 2024 में ये 18.71 अरब डॉलर रहा है। जनवरी में ये 17.49 अरब डॉलर था। जबकि, फरवरी 2023में व्यापारिक घाटा 16.57 अरब डॉलर रहा है। अप्रैल 2023-फरवरी 2024 के लिए, भारत का माल व्यापार अंतर 225.20 अरब डॉलर था, जो 2022-23 के पहले 11 महीनों में 245.94 अरब डॉलर से कम है। यह इस अवधि के दौरान साल-दर-साल आधार पर 8.43 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

जर्मनी, जापान और यूके की जीडीपी में गिरावट जारी, भारत लगा रहा लंबी छलांग

नई दिल्ली। एजेंसी

नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी विकास गति को बरकरार रख रहा है, जिसे वैश्विक मंदी के बीच एक बेहतरीन सूचक के रूप में देखा जा सकता है। जर्मनी, जापान और यूके जैसे देशों में पिछले कुछ वर्षों में जीडीपी (पीपीपी) रैंकिंग में गिरावट लगातार जारी है। वहीं रिपोर्ट की मानें तो भारत ने जीडीपी (पीपीपी) में इन सालों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। जीडीपी (पीपीपी) का मतलब है खरीद की क्षमता पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद। दिल्ली स्थित सोशल पॉलिसी रिसर्च फाउंडेशन (एसपीआरएफ) की रिसोर्च रिपोर्ट के अनुसार, 2024 तक पीपीपी के आधार पर मूल्यांकन किया जाए तो भारतीय अर्थव्यवस्था यूके की तुलना में 3.6 गुना, जापान की तुलना में 2.1 गुना और जर्मनी की तुलना में 2.5 गुना ज्यादा है।

भारतीय जीडीपी (पीपीपी) की हिस्सेदारी काफी बढ़ी

रिपोर्ट में कहा गया है, 'पीपीपी पर वैश्विक जीडीपी के प्रतिशत को देखा जाए तो इसके अनुसार भारतीय जीडीपी (पीपीपी) की हिस्सेदारी काफी बढ़ी है, जबकि इस दौरान अमेरिका, जापान, रूस और अन्य देशों की हिस्सेदारी घटी है।' पीपीपी दो या दो से अधिक देशों में समान वस्तुओं और सेवाओं की कीमत को समझने और उसकी तुलना करने का माध्यम है। रिपोर्ट के अनुसार, 'देश में उच्च पीपीपी का मतलब है कि भारतीय उपभोक्ता के लिए भारत के अंदर आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर जो खर्च हो रहा है वह जापान, जर्मनी या यूके के उपभोक्ताओं की तुलना में सस्ता है।'

कंस्ट्रक्शन सेक्टर में अच्छी वृद्धि

भारत की अर्थव्यवस्था में तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2023) के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जो आश्चर्यचकित करने वाली है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के नवीनतम आंकड़ों की मानें तो वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए देश की आर्थिक विकास दर अब 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। जीडीपी में 8.4 प्रतिशत की उच्च वृद्धि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में दोहरे अंक की वृद्धि के साथ 11.6 प्रतिशत, जबकि कंस्ट्रक्शन सेक्टर में अच्छी वृद्धि (9.5 प्रतिशत) की वजह से देखी गई है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

सांख्यिकी मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद 7.6 प्रतिशत की मजबूत स्थिति में रही, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत थी।' नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी विकास गति को बरकरार रख रहा है, जिसे वैश्विक मंदी के बीच एक बेहतरीन सूचक के रूप में देखा जा सकता है। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आरबीआई के मासिक बुलेटिन के अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था की गति भले धीमी पड़ रही हो लेकिन, भारत की अर्थव्यवस्था में तेज वृद्धि साफ दिखाई दे रही है।

पैसे से जुड़े ये 5 नियम 1 अप्रैल से बदल जाएंगे

Credit card के नियम भी शामिल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मार्च का महीना अपने अंतिम पड़ाव पर है। एक हफ्ते के बाद अप्रैल का महीना शुरू हो जाएगा। हर माह की तरह अप्रैल से भी कई नियमों में बदलाव होने वाला है, जिसमें एनपीएस से लेकर क्रेडिट कार्ड के नियम शामिल है। मार्च का महीना

खत्म होने में कुछ दिन शेष बचे हैं। इसके बाद अप्रैल शुरू हो जाएगा। क्या आपको पता है कि 1 अप्रैल से पैसे से जुड़े 6 निमय में बदलाव हो रहा है। इनमें क्रेडिट कार्ड नियम से लेकर एनपीएस रूल भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि अगले महीने से कौन-कौन से नियम चेंज हो रहे हैं जो आप पर सीधा असर डालेंगे।

NPS के लिए लेकर नया नियम

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने एनपीएस निवेशकों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए दो लेयर सिक्योरिटी सिस्टम लागू करने जा रहा है। इसके तहत टू-फैक्टर आधार-आधारित प्रमाणीकरण शुरू की जाएगी। यह सभी पासवर्ड-आधारित उपयोगकर्ताओं के लिए अनिवार्य होगा। नया नियम 1 अप्रैल, 2024 से लागू किया जाएगा।

SBI क्रेडिट कार्ड में बदलाव

एसबीआई कार्ड ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल, 2024 से कुछ क्रेडिट कार्डों के जरिये रेंटल भुगतान पर रिवॉर्ड पॉइंट मिलना बंद हो जाएगा। इसमें AURUM, SBI कार्ड एलीट, SBI कार्ड एलीट एडवांटेज, SBI कार्ड प्लस शामिल हैं। वहीं, कुछ क्रेडिट कार्डों पर रेंटल भुगतान पर रिवॉर्ड पॉइंट मिलना 15 अप्रैल, 2024 से बंद हो जाएगा।

OLA मनी वॉलेट

OLA मनी ने घोषणा की कि वह 1 अप्रैल, 2024 से प्रति माह 10,000 रुपये की अधिकतम वॉलेट लोड सीमा के साथ पूरी तरह से छोटे PPI (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट) वॉलेट सेवाओं पर स्विच कर रहा है। कंपनी ने अपने ग्राहकों को एसएमएस भेजकर इस बारे में सूचित किया है।

ICICI Bank का लाउंज एक्सेस

ICICI Bank ने कॉम्प्लीमेंट्री एयरपोर्ट के लाउंज एक्सेस के निमय में बदलाव का ऐलान किया है। 1 अप्रैल से शुरू होने वाली तिमाही में ग्राहकों को न्यूनतम 35,000 हजार रुपए खर्च करने होंगे। इसके बाद ही अगले क्वॉर्टर के लिए एक कॉम्प्लीमेंट्री एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस अनलॉक होगा।

यस बैंक के लाउंज एक्सेस बेनिफिट्स

यस बैंक (Yes Bank) ने भी नए वित्त वर्ष से अपने डोमेस्टिक लाउंज एक्सेस बेनिफिट्स की पॉलिसीज में बदलाव किए हैं। बैंक के अनुसार, सभी कस्टमर्स को अगले क्वॉर्टर में लाउंज एक्सेस पाने के लिए उस चालू क्वॉर्टर में मिनीमम 10,000 रुपए खर्च करने होंगे।

31 मार्च की डेडलाइन निकलने से पहले यहां करें निवेश

टैक्स बचाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त वर्ष 2023-24 समाप्त होने में कुछ ही दिन का समय बचा हुआ है। टैक्स सेविंग के लिहाज से ये समय काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। अगर आप 31 मार्च से कुछ विशेष सेविंग प्रोडक्ट्स में निवेश करते हैं आप टैक्स की काफी बचत कर सकते हैं।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस

इनकम टैक्स की धारा 80ण के तहत टर्म लाइफ इंश्योरेंस को लेकर दिए गए प्रीमियम पर आप टैक्स छूट प्राप्त कर सकते हैं। ये एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की हो सकती है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस एक प्रकार का जीवन बीमा होता है, जिसमें आपको कम प्रीमियम पर बड़ा कवरेज मिल जाता है।

हेल्थ इंश्योरेंस

हेल्थ इंश्योरेंस की मदद से भी आप काफी सारी टैक्स सेविंग कर सकते हैं। इनकम टैक्स की धारा 80ॐ के तहत स्वयं और परिवार के लिए हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर 25,000 रुपये और अपने माता-पिता के लिए हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर 50,000 रुपये की टैक्स छूट प्राप्त कर सकते हैं।

ULIPs

ULIPs यानी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान भी टैक्स सेविंग का एक अच्छा तरीका है। यह निवेश और इंश्योरेंस का मिश्रण होता है। इसमें इक्विटी, डेट और बैलेंस फंड तीनों का फायदा निवेशकों मिला है। इसमें निवेश करने पर इनकम टैक्स की धारा 80ण का आपको फायदा मिलता है और आप 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं। बता दें, ळथ्ध्ढ़ की मैच्योरिटी पर मिलने वाला पैसा भी टैक्स फ्री होता है।

गारंटी रिटर्न प्लान

गारंटी रिटर्न प्लान भी टैक्स सेविंग का एक अच्छा विकल्प है। इनमें निवेशकों को 8.2 प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है। गारंटी रिटर्न वाली योजनाओं में नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट, सुकन्या समृद्धि योजना, सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम, महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट जैसी योजनाओं को शामिल किया जाता है। इन योजनाओं पर इनकम टैक्स की धारा 80C और 10 (10D) जैसी धाराओं का फायदा मिलता है।

25 स्टॉक्स 28 मार्च से उसी दिन सेटलमेंट साइकिल के लिए होंगे एलिजिबल

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

स्टॉक एक्सचेंज में गुरुवार यानी 28 मार्च से कैश सेगमेंट में चुनिंदा शेयरों में 'टी+0' या उसी दिन व्यापार निपटान का बीटा संस्करण पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक्सचेंज शुरू में 25 शेयरों के लिए और लिमिटेड संख्या में दलालों के साथ शॉर्टर ट्रेड साइकल शुरू करेंगे। पूंजी बाजार नियामक सेबी तीन महीने और छह महीने के आखिर में प्रगति की समीक्षा करेगा और अगली कार्रवाई पर फैसला करेगा। यह इक्विटी नकदी बाजार में मौजूदा टी+1 निपटान चक्र के अतिरिक्त होगा। पीटीआई की खबर के मुताबिक, शुरुआत के लिए, टी+0 ट्रेड सेटलमेंट का विकल्प 25 शेयरों के सीमित सेट और सीमित संख्या में ब्रोकरों के लिए उपलब्ध होगा।

लेनदेन संबंधी जोखिमों को भी करता है T+0

खबर के मुताबिक T+0 का अर्थ है एक ही दिन में निपटान और इस कदम से निवेशकों के लिए लागत और समय दक्षता, शुल्क में पारदर्शिता आएगी और क्लियरिंग कॉर्पोरेशन और समग्र प्रतिभूति बाजार ईकोसिस्टम में जोखिम प्रबंधन मजबूत होगा। टी+0 की तरफ से परिवर्तन न सिर्फ बाजार संचालन की दक्षता और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि लेनदेन संबंधी जोखिमों को भी काफी हद तक कम करता है, जिससे व्यापारियों और निवेशकों दोनों को तत्काल और ठोस मूल्य मिलता है।

पिछले सप्ताह एक रूपरेखा हुई थी तैयार

सेबी के बोर्ड के विचार-विमर्श और अनुमोदन के बाद, नियामक ने पिछले सप्ताह 28 मार्च से वैकल्पिक आधार पर टी + 0 निपटान चक्र के बीटा संस्करण की शुरुआत के लिए एक रूपरेखा तैयार की। सेबी ने बदलते समय के साथ तालमेल बनाए रखने और प्रतिभूति बाजारों के विकास और निवेशक सुरक्षा के अपने आदेश को पूरा करने के प्रयास में, निपटान चक्र को 2002 में □□□ से छोटा करके T+3 और उसके बाद 2003 में T+2 कर दिया। नए ढांचे के तहत, सभी निवेशक टी0 निपटान चक्र में भाग लेने के पात्र होंगे, अगर वे बाजार बुनियादी ढांचे संस्थानों द्वारा निर्धारित समयसीमा, प्रक्रिया और जोखिम जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं। टी+1 निपटान चक्र में लागू निगरानी उपाय टी+0 निपटान चक्र में शेयरों पर लागू होंगे। सूचकांक गणना और निपटान मूल्य गणना में T+0 कीमतों पर विचार नहीं किया जाएगा। टी+0 सेगमेंट में ट्रेडिंग के आधार पर प्रतिभूतियों के लिए कोई अलग से बंद कीमत नहीं होगी। बाजार नियामक सेबी ने कहा कि टी 0 सेटलमेंट 25 शेयरों के लिए वैकल्पिक होगा और केवल सुबह 9:15 बजे से दोपहर 1:30 बजे के बीच निष्पादित ट्रेडों के लिए लागू होगा।

ये हैं 25 स्टॉक्स

अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड
अशोक लीलैंड लिमिटेड
बजाज ऑटो लिमिटेड
बैंक ऑफ बड़ौदा
भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
बिड़लासॉफ्ट लिमिटेड
सिप्ला लिमिटेड
कोफोर्ज लिमिटेड
डिविस लेबोरेटरीज लिमिटेड
हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड
इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड
जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड
एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
एलटीआई माइंडट्री लिमिटेड
एमआरएफ लिमिटेड
नेस्ले इंडिया लिमिटेड
एनएमडीसी लिमिटेड
तेल और प्राकृतिक गैस निगम
पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड
संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल लिमिटेड
भारतीय स्टेट बैंक
टाटा कम्युनिकेशंस लिमिटेड
ट्रेंट लिमिटेड
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
वेदांता लिमिटेड

मुंबई पहली बार बना एशिया का अरबपति कैपिटल

सिर्फ 603 वर्ग किलोमीटर में हैं इतने अरबपति, बीजिंग को पछाड़ा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के सिर एक नया ताज सजा है। मुंबई पहली बार चीनी महानगर बीजिंग को पछाड़कर एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। एक लेटेस्ट आंकड़े आने के बाद यह बात सामने आई है। मुंबई के 603 वर्ग किलोमीटर में अब बीजिंग के 16,000 वर्ग किलोमीटर से ज्यादा अरबपति रहते हैं। हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट के मुताबिक, जहां चीन में भारत के 271 के मुकाबले 814 अरबपति हैं, वहीं मुंबई में बीजिंग में 91 के मुकाबले 92 अरबपति हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, मुंबई अब न्यूयॉर्क के बाद अरबपतियों के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है, जिसने 119 अरबपतियों के साथ सात साल बाद अपना टॉप पोजिशन हासिल किया है, इसके बाद 97 अरबपतियों के साथ लंदन है।

मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति

खबर के मुताबिक, मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति 445 अरब डॉलर है, जो पिछले साल से 47ऽ ज्यादा है, जबकि बीजिंग की कुल अरबपतियों की संपत्ति 265 अरब डॉलर है, जो 28 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। मुंबई के धनवान सेक्टर्स में ऊर्जा और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जिससे मुकेश अंबानी जैसे अरबपति जुड़े हैं। रियल एस्टेट प्लेयर मंगल प्रभात लोढ़ा (और परिवार) मुंबई में सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाले अरबपति थे। इनकी संपत्ति में 116ऽ की ग्रोथ देखी गई।

26 नए अरबपतियों के जुड़ने से मुंबई निकला आगे

मुंबई एक साल में 26 नए अरबपतियों के जुड़ने के चलते चीन की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी बीजिंग से आगे निकलने में कामयाब रही है। इसी समय, बीजिंग में शुद्ध आधार पर 18 पूर्व अरबपतियों को सूची से बाहर होते देखा गया है। दुनिया में अमीरों की सूची में भारतीय अरबपतियों की ग्लोबल रैंकिंग में मामूली गिरावट देखी गई है। मुकेश अंबानी ने संपत्ति में पर्याप्त वृद्धि के साथ 10वें स्थान को बनाए रखा है। इसी तरह, गौतम अडानी की संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी ने उन्हें ग्लोबल लेवल पर आठ पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंचा दिया।

इन भारतीय अरबपतियों का भी जलवा

एचसीएल के शिव नादर और उनके परिवार ने संपत्ति और वैश्विक रैंकिंग दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी (16 स्थान ऊपर 34 पर)। इसके अलावा, सीरम इंस्टीट्यूट के साइरस एस पूनावाला की कुल संपत्ति 82 बिलियन डॉलर के साथ मामूली गिरावट (9 पायदान गिरकर 55वें स्थान) पर रही। सन फार्मास्यूटिकल्स के दिलीप सांघवी (61वें स्थान) और कुमार मंगलम बिड़ला (100वें) का भी योगदान है। डीमार्ट की सफलता से प्रेरित राधाकिशन दमानी की संपत्ति में मामूली लेकिन स्थिर वृद्धि ने उन्हें आठ पायदान ऊपर 100वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

किसानों के लिए खुशखबरी

अगले दो-तीन दिन में पांच लाख टन प्याज खरीद शुरू करेगी सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार द्वारा प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध को आगे बढ़ाने की वजह से कीमतों में गिरावट की संभावना जताई जा रही है। इसी को देखते हुए सरकार ने किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया है। सरकार की ओर से मंगलवार को कहा गया है कि वह आने वाले दो-तीन दिनों में 5 लाख टन रबी प्याज की खरीद शुरू करेगी। बता दें, प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध अगले आदेश तक बढ़ा दिया गया है। पहले ये 31 मार्च को खत्म होना था। कृषि मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सरकार अगले 2-3 दिनों में प्याज की खरीद शुरू करेगी। सरकार द्वारा ये फैसला प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बाद लिया गया है।

समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि हम किसानों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि उनकी चिंता का ध्यान रखा जाएगा। हम बफर स्टॉक बनाए रखने के लिए अगले 2-3 दिन में पांच लाख टन रबी (सर्दियों) की फसल की खरीद शुरू करेंगे।

व्यापारियों पर पड़ेगा असर

सिंह ने आगे कहा कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध से व्यापारियों पर असर पड़ रहा है, न कि किसानों पर, क्योंकि महाराष्ट्र में औसत मंडी (थोक) कीमतें फिलहाल लगभग 13-15 रुपये प्रति किलोग्राम हैं, जो पिछले वर्ष के स्तर से लगभग दोगुनी है। उन्होंने कहा कि भले ही कीमतें गिरें, हम किसानों के हितों की रक्षा करेंगे। सरकार आमतौर पर प्रचलित मंडी दरों पर बफर स्टॉक के लिए प्याज खरीदती है। हालांकि, यदि दरें उत्पादन लागत से नीचे आती हैं, तो सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कम से कम किसानों की लागत पूरी हो। वर्ष 2023-24 में सरकार ने बफर स्टॉक के लिए 17 रुपये प्रति किलोग्राम की औसत दर पर 6.4 लाख टन प्याज (रबी और खरीफ दोनों फसलें) खरीदा था।

प्याज का उत्पादन गिराने का अनुमान

कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, सत्र 2023-24 (जुलाई-जून) में रबी प्याज का उत्पादन 20 प्रतिशत घटकर 190.5 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 237 लाख टन रहा था। देश में प्याज की उपलब्धता के लिए रबी प्याज महत्वपूर्ण है क्योंकि वार्षिक उत्पादन में 72-75 प्रतिशत का योगदान देता है। साल भर प्याज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रबी प्याज भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें खरीफ (ग्रीष्मकालीन) प्याज की तुलना में बेहतर स्व-जीवन है और इसे नवंबर-दिसंबर तक आपूर्ति के लिए संग्रहीत किया जा सकता है।

एलआईसी बना दुनिया का सबसे मजबूत बीमा ब्रांड, 9.8 अरब डॉलर पहुंची वैल्यू

एजेंसी

LIC दुनिया में सबसे मजबूत ब्रांड बना गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू 9.8 अरब डॉलर आंकी गई है। इसके बाद कैथे लाइफ इंश्योरेंस का नाम है। इसकी ब्रांड वैल्यू 4.9 अरब डॉलर है। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) विश्वस्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के रूप में उभरी है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस 100, 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, एलआईसी का ब्रांड मूल्य 9.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर स्थिर बना हुआ है। साथ ही ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर 88.3 और संबद्ध एएए ब्रांड स्ट्रेंथ रेटिंग भी है।

लिस्ट में चीनी कंपनियों का दबदबा

ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस के बयान के अनुसार, एलआईसी के बाद सूची में कैथे लाइफ इंश्योरेंस को दूसरे सबसे मजबूत ब्रांड के रूप में उभरा है। कैथे लाइफ इंश्योरेंस का ब्रांड मूल्य नौ प्रतिशत बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हो गया है। इसके बाद एनआरएमए इंश्योरेंस है, जिसका ब्रांड मूल्य 82 प्रतिशत बढ़कर 1.3 अरब डॉलर हो गया है। बयान के अनुसार, चीन के बीमा ब्रांड ने वैश्विक रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। पिंग एन ब्रांड मूल्य में चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33.6 अरब डॉलर के साथ अग्रणी है। इसके बाद चाइना लाइफ इंश्योरेंस और सीपीआईसी क्रमशः तीसरे और पांचवें स्थान पर हैं।

देश की सबसे बड़ी सरकारी कंपनी

एलआईसी इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में 39,090 करोड़ रुपये का उच्चतम पहले वर्ष का प्रीमियम संग्रह हासिल किया, जबकि एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने क्रमशः 15,197 करोड़ रुपये और 10,970 करोड़ रुपये का नया प्रीमियम संग्रह हासिल कर निजी क्षेत्र का नेतृत्व किया। सरकार ने अगस्त, 2022 से प्रभावी एलआईसी कर्मचारियों के लिए 17 प्रतिशत वेतन संशोधन को मंजूरी दी थी जिससे 1,10,000 से अधिक कर्मचारियों को लाभ हुआ। एलआईसी के शेयर भी 1,175 रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जिससे यह भारत की सबसे मूल्यवान सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) बन गई और बाजार मूल्यांकन में एसबीआई को पछाड़कर पांचवीं सबसे मूल्यवान भारतीय सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली।

एक अप्रैल से सफर हो जाएगा महंगा, NHAI ने बढ़ा दिया है टोल

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

नए फाइनेंशियल ईयर यानी एक अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाइवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ऍच) ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। टोल टैक्स में पांच फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भी सफर करना महंगा हो जाएगा। एनएचएआई ने एक अप्रैल से टोल प्लाजा पर नई दरों पर टोल फीस की वसूली करने का निर्देश जारी किया है। इससे लोगों की जेब पर बोझ बढ़ेगा। इनमें यूपी और बिहार के भी कई टोल रोड़ शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर प्रदेश में राजधानी लखनऊ से होकर गुजरने वाले करीब तीन लाख वाहन चालकों को अब ज्यादा टोल देना होगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे में टोल दरों में पांच फीसदी बढ़ोतरी की गई है। गुड़गांव की सीमा में दिल्ली-जयपुर हाइवे पर खेड़की दौला, गुरुग्राम-सोहना हाइवे पर घामडोज और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर अलीपुर के बाद हिलालपुर में टोल प्लाजा हैं। खेड़की दौला पर रेट में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं। घामडोज प्लाजा पर कार की एकतरफा यात्रा के टोल 115 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह हल्के कमर्शियल वाहनों के लिए 190 रुपये के बजाय 205 रुपये देने होंगे। अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर पांच फीसदी टोल दर

बढ़ेंगी। लखनऊ से गुजरने वाले तीन राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने टोल प्लाजा पर भी टोल की दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इसके साथ ही एक अप्रैल से ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर करना महंगा हो जाएगा। इससे लाखों वाहन चालकों की जेब पर बोझ बढ़ जाएगा। एनएचएआई ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर टोल वसूल करने की जिम्मेदारी एक निजी कंपनी को दी है। अधिकारियों का कहना है कि एक अप्रैल से ईस्टर्न पेरिफेरल और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे समेत ज्यादातर टोल सड़कों पर टोल दरों में पांच फीसदी की बढ़ोतरी लागू की जाएगी। लखनऊ से तीन राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने टोल प्लाजा से गुजरने वाले लोगों पर इसका सीधा असर होगा। इसमें कानपुर हाइवे पर स्थित नवाबगंज, अयोध्या पर अहमदपुर, रोहिणी, शाहबपुर, बारा और रायबरेली रोड पर दखिना, बहराइच रोड पर दुलारपुर, गुलालपुरवा समेत अन्य शामिल हैं।

इसी तरह बिहार में भी टोल टैक्स में बढ़ोतरी की गई है। राज्य में अधिकतर टोल प्लाजा पर 5 से 20 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। फिलहाल पटना-बख्तियारपुर टोल प्लाजा पर कार, जीप, वैन समेत अन्य छोटे वाहन का टैक्स 130 रुपये लगता है। हल्के व्यावसायिक वाहनों और मिनी बसों का टैक्स 200 रुपये है। बस और ट्रक पर 400 रुपये टोल लगता है। बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिहार में 29 टोल प्लाजा है। पटना-बख्तियारपुर के अलावा फुलपरास-फारबिसगंज, मोकामा-मुंगेर, पूर्णिया-दालकोला, औरंगाबाद-वाराणसी सेक्शन, मुजफ्फरपुर- बारसोई, फारबिसगंज-पूर्णिया, खगड़िया-पूर्णिया, कोटवा-महेषी, मुजफ्फरपुर-सोनवर्षा, औरंगाबाद-बाराचट्टी, हाजीपुर-मुजफ्फरपुर और छपरा-सीवान आदि शामिल है।

S&P को भी भारतीय अर्थव्यवस्था का मानना पड़ा लोहा

FY2024-25 के लिए बढ़ाया GDP अनुमान

इंदौर। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था की धमक का अहसास आखिरकार अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स को भी हो गया। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की वृद्धि दर यानी जीडीपी दर का अनुमान बढ़ाकर मंगलवार को 6.8 प्रतिशत कर दिया है। एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में मजबूत घरेलू गति के बीच वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि 6.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया था। भाषा की खबर के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।

मजबूत वृद्धि का अनुमान

खबर के मुताबिक, एसएंडपी ने एशिया प्रशांत के लिए अपने 'इकोनॉमिक आउटलुक' में कहा कि एशियाई उभरती बाजार (ईएम) अर्थव्यवस्थाओं के लिए हम आम तौर पर मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाते हैं, जिसमें भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम अग्रणी हैं। एजेंसी के मुताबिक, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़े पैमाने पर घरेलू मांग-आधारित अर्थव्यवस्थाओं में घरेलू खर्च करने की क्षमता पर उच्च ब्याज दरों और मुद्रास्फीति के प्रभाव ने दूसरी छमाही में क्रमिक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को कम किया है।

एसएंडपी को भारत की जीडीपी दर पर भरोसा

एसएंडपी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 (मार्च 2025 को खत्म) में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत हो जाएगी। एजेंसी ने यह भी कहा है कि भारत में कैलेंडर ईयर 2024 में ब्याज दरों में 75 आधार अंकों यानी 0.75 प्रतिशत तक की कटौती होने की संभावना है। भारत में, धीमी मुद्रास्फीति, कम राजकोषीय घाटा और कम अमेरिकी नीति दरें भारतीय रिजर्व बैंक के लिए दरों में कटौती शुरू करने के लिए आधार तैयार करेंगी।

चीन को लेकर क्या कहा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने यह भी कहा कि चीन की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2025 में 5.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 4.6 प्रतिशत होने की संभावना है। एसएंडपी ने कहा कि हमारा पूर्वानुमान संपत्ति में निरंतर कमजोरी और मामूली मैक्रो नीति समर्थन का कारक है। अगर खपत कमजोर रहती है तो अपस्फीति एक जोखिम बनी रहती है और सरकार विनिर्माण निवेश को और अधिक प्रोत्साहित करके प्रतिक्रिया देती है।

IRDA ने इंश्योरेंस पॉलिसी वापसी के नियम में किया बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी

बीमा नियामक इंश्योरेंस रेगुलेटर एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (IRDA) की ओर से इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े कई नियमों में बदलाव किया गया है। इसमें इंश्योरेंस पॉलिसी वापसी से जुड़ा नियम भी शामिल है। नए नियम के तहत बीमा कंपनियों को इंश्योरेंस पॉलिसी सरेंडर से जुड़े नियमों और शुल्क का खुलासा करना होगा। नए नियम एक अप्रैल 2024 से लागू होंगे।

पॉलिसी सरेंडर से जुड़े नए नियम

नए नियमों के मुताबिक, यदि पॉलिसी खरीद के तीन साल के भीतर लौटायी या वापस की जाती है, तो वापसी मूल्य समान या उससे भी कम रहने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि जिस पॉलिसी को चौथे से सातवें वर्ष तक वापस किया जाता है, उनके वापसी मूल्य में मामूली वृद्धि हो सकती है। बीमा में वापसी मूल्य से तात्पर्य बीमा कंपनियों के पॉलिसीधारक को उसकी परिपक्वता तिथि से पहले पॉलिसी समाप्त करने पर भुगतान की गई राशि से है। यदि पॉलिसीधारक पॉलिसी अवधि के दौरान 'सरेंडर' करता है, तो उसे कमाई और बचत हिस्से का भुगतान किया जाता है।

बीमा नियमों का किया गया एकीकरण

बता दें,इरडा की ओर से 19 मार्च को की गई बैठक में कई नियमों में बदलाव किया गया था। इसमें 34 नियमों को छह नियमों में एकीकृत कर दिया था। वहीं, दो नए नियम लाए गए थे। इन नियमों में पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा, ग्रामीण और सामाजिक क्षेत्र की जिम्मेदारियां, इलेक्ट्रॉनिक बीमा बाजार, बीमा उत्पाद और विदेशी पुनर्बीमा शाखाओं के संचालन के साथ-साथ पंजीकरण, बीमा जोखिम और प्रीमियम के मूल्यांकन, वित्त, निवेश तथा कंपनी संचालन के पहलू जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।

इन नए नियमों को जारी करते हुए इरडा ने बताया कि नए इंश्योरेंस नियम इंडस्ट्री से जुड़े लोगों, विशेषज्ञों और जनता सहित अन्य पक्षों के साथ बातचीत करने के बाद जारी किए गए हैं। इनका उद्देश्य बीमा कंपनियों को बाजार मांग के अनुसार तेजी से कदम उठाने में सक्षम बनाना, कारोबार सुगमता को बेहतर करना और बीमा को बढ़ावा देना है।

डिफॉल्टर बनने के करीब अमेरिका! खतरनाक स्तर पर पहुंचा कर्ज

52 में से 51 देश हो चुके दिवालिया, देख लीजिए आंकड़े

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका पर डिफॉल्ट होने का खतरा मंडरा रहा है। देश की डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 124 परसेंट पहुंच गया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 1800 के बाद 52 देशों का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 130 परसेंट से अधिक हुआ है। इनमें से 51 देश डिफॉल्टर हो गए थे। यही वजह है कि अमेरिका में भी तेजी से बढ़ रहे कर्ज पर चिंता जताई जा रही है। जानकारों का कहना है कि नियर टर्म में अमेरिका के डिफॉल्टर होने का खतरा नहीं है लेकिन अगर इस स्थिति को नजरअंदाज किया गया तो इसके गंभीर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। देश का कर्ज 34 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। हालत यह हो गई है कि इस साल अमेरिका को एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। अमेरिका का कर्ज पिछले 24 साल में छह गुना बढ़ गया है। साल 2000 में अमेरिका पर 5.7 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो अब 34 ट्रिलियन डॉलर से ऊपर पहुंच गया है। साल 2010 में यह 12.3 ट्रिलियन डॉलर और 2020 में 23.2 ट्रिलियन डॉलर था। यूएस कांग्रेस के बजट दस्तावेजों के मुताबिक अगले दशक तक देश का कर्ज 54 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने का अनुमान है। पिछले तीन महीने में ही इसमें एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है और यह देश की जीडीपी का करीब 124₹ है। पिछले तीन साल में ही देश का कर्ज 10 ट्रिलियन डॉलर से अधिक बढ़ चुका है। अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के भुगतान में खर्च करने पड़ रहे हैं। साफ है कि सरकार की कमाई कम हो रही है और खर्च बढ़ गया है। एनालिस्ट्स के कहना है कि यह देश की इकॉनमी और नेशनल सिक्योरिटी के लिए अच्छी बात नहीं है।

कर्ज में डूबे देश

आशंका जताई जा रही है कि माना जा रहा है कि अगले कुछ साल में अमेरिका का डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 200 परसेंट तक पहुंच सकता है। मतलब देश का कर्ज जीडीपी से दोगुना पहुंच जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की इकॉनमी का दम निकल जाएगा। इससे देश की सरकार को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा पर होने वाले कुल खर्च से ज्यादा पैसा ब्याज चुकाने में देना होगा। अमेरिका का कर्ज ऐसे वक्त बढ़ रहा है जब देश की इकॉनमी अच्छी स्थिति में है और बेरोजगारी कम है। अमूमन जब इकॉनमी कमजोर होती है तो सरकार खर्च बढ़ाती है ताकि ग्रोथ को हवा दी जा सके। लेकिन यहां तो उल्टी स्थिति है।

पिछले साल अगस्त में फिच ने अमेरिका के सॉवरेन डेट की रेटिंग AA+ से घटाकर AAA कर दी थी। इसके बाद नवंबर में मूडीज ने चेतावनी दी थी कि वह अमेरिका की AAA में कटौती कर सकता है। पिछले साल जून में अमेरिका डिफॉल्ट की दहलीज पर पहुंच गया था। अगर दुनिया में सबसे ज्यादा डेट-टु-जीडीपी रेश्यो की बात करें तो इस मामले में जापान पहले नंबर पर है। वहां डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 269% है। यूरोपीय देश ग्रीस दूसरे नंबर पर है। इसका डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 197 परसेंट है। इसके बाद सिंगापुर (165%) और इटली (135%) का नंबर है। पुर्तगाल, फ्रांस, स्पेन और बेल्जियम उन देशों में शामिल हैं जिनका डेट-टु-जीडीपी रेश्यो 100 परसेंट से अधिक है। यानी इन देशों का कर्ज उनके जीडीपी से अधिक है।

राहु-शुक्र की युति से इन राशि वालों को होगा सबसे ज्यादा लाभ, मिलेगी सफलता

31 मार्च को शुक्र गुरु की राशि में मीन में गोचर करेंगे, जहां पर पहले से राहु विराजमान हैं। इस तरह से मीन राशि में शुक्र-राहु की युति बनेगी। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह को सुख-संपदा, धन-वैभव, सौंदर्य और ऐशोआराम का कारक ग्रह माना जाता है। शुक्र के राशि परिवर्तन से सभी राशियों के जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। शुक्र 31 मार्च को मीन राशि में प्रवेश करेंगे और मीन राशि में पहले से ही राहु मौजूद हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र और राहु की आपस में मित्रता है। इसके अलावा मीन राशि शुक्र की उच्च की राशि हैं। मीन राशि में शुक्र-राहु की युति 24 अप्रैल तक रहेगी। शुक्र-राहु की मीन राशि में युति से कुछ राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं राहु-शुक्र की युति से किन-किन राशि वालों को विशेष लाभ मिलेगा।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र-राहु की युति भाग्य भाव में होने से इस राशि के जातकों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को नई नौकरी के अवसर प्राप्त हो सकते हैं और वेतन में वृद्धि भी हो सकती है। व्यापार में उन्नति के योग बन रहे हैं। धन लाभ के अचानक से अवसर प्राप्त होंगे। रुके हुए काम जल्द ही अब पूरे होंगे। आपके हाथ कोई बड़ा अवसर हाथ लग सकता है।

सिंह राशि

शुक्र-राहु की युति सिंह राशि के जातकों के लिए उनकी कुंडली के दसवें भाव में बन रही है। ऐसे में आपको धन लाभ और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा और संतान सुख की प्राप्ति होगी। व्यापार में उन्नति और कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग बन रहे हैं।

कन्या राशि

आपकी राशि के लिए शुक्र और राहु की युति सातवें भाव में होगी। ऐसे में आपको अपनी साथी का भरपूर साथ मिलेगा। साझेदारी में अगर कोई काम हो रहा है तो उसमें आपको लाभ मिल सकता है। व्यापार में आपको अच्छा मुनाफा मिलेगा। व्यापार में सफलता के योग हैं। नौकरीपेशा जातकों को पदोन्नति मिल सकती है जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। सेहत अच्छी रहेगी और समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्र-राहु की युति बहुत ही शुभ साबित हो सकती है। यह युति आपकी धन भाव पर होने से आपको कहीं न कहीं धन लाभ जरूर होगा। नौकरी करने वाले जातकों को उनके कार्यालय में कुछ ऐसी स्थितियां बन सकती है जिससे आने वाले समय में उनके प्रमोशन और वेतन में वृद्धि के योग बन रहा है।

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

पूजा से पहले आचमन करने का क्या है महत्व? जानिए विधि और कारण

पूजा शुरू होने से पहले आचमन किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आचमन करने की परंपरा क्यों है और इसका महत्व क्या है। किसी भी प्रकार की पूजा की जाती है, तो उसमें आचमन जरूर किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि आचमन न करने से पूजा का पूरा फल प्राप्त नहीं होता है। ऐसा करने से भगवान प्रसन्न होते हैं। पूजा के दौरान आचमन करना मतलब पवित्र जल का सेवन करके मन और हृदय को शुद्ध करना है। पूजा, यज्ञ आदि जैसे धार्मिक या शुभ अनुष्ठान शुरू करने से पहले शुद्धि के लिए मंत्रों का जाप करने के साथ जल पिएं। इसे ही आचमन कहा जाता है।

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

क्यों किया जाता है आचमन?

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ में आचमन महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रंथों में आचमन का महत्व विस्तार से बताया गया है। धर्म ग्रंथों के अनुसार, आचमन करने के बाद जल में भिगोए हुए दाहिने हाथ के अंगूठे से मुंह का स्पर्श करने से अथर्ववेद की तृप्ति होती है। आचमन के बाद मस्तिष्क का अभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। ऐसा माना जाता है कि आचमन करके दोनों आंखों को छूने से सूर्य तृप्त होता है। वहीं, नासिका को छूने से वायु तृप्त होती है और कानों को छूने से सभी ग्रंथियां तृप्त होती हैं। इसलिए पूजा से पहले आचमन करने का महत्व बताया गया है।

इस विधि से करें आचमन

पूजा शुरू करने से पहले पूजा संबंधी सभी सामग्री पूजा स्थल पर रखें। अब एक साफ तांबे के पात्र या लोटे में पवित्र गंगा जल या पीने का पानी जरूर रखें। अब इस पानी के बर्तन या मटके में तुलसी की पत्तियां डाल दें। पानी निकालने के लिए बर्तन में तांबे का एक चम्मच रखें। अब इस लोटे या पात्र में तुलसी के पत्ते जरूर डालें। एक छोटी सी आचमनी यानी तांबे की छोटी सी चम्मच को जल निकालने के लिए रखें।

आचमन के लिए आचमनी से थोड़ा सा जल हाथों पर तीन बार लें और अपने इष्टदेव, देवता गण और नवग्रहों का ध्यान करते हुए उसे ग्रहण करें। यह जल आचमन कहलाता है। जल ग्रहण करने के बाद अपने हाथ को माथे और कान से लगाएं। फिर जल को हथेली पर लेकर तीन बार मंत्र उच्चारण करते हुए जल ग्रहण करें।

रंग पंचमी 30 मार्च को, जानें क्यों मनाया जाता है यह पर्व, ये है पौराणिक महत्व

25 मार्च को देशभर में धुलेंडी का त्योहार उत्साह के साथ मनाया गया। रंगों के त्योहार होली की धूम देशभर में देखने को मिली। हालांकि कुछ स्थानों पर होली के 5 दिन बाद आने वाला रंगपंचमी का त्योहार ज्यादा उत्साह के साथ मनाया जाता है। मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में तो रंगपंचमी पर विशेष तौर पर गेर का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं।

रंग पंचमी मनाने का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल रंग पंचमी 30 मार्च 2024 को मनाई जाएगी। पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि 29 मार्च 2024 को रात 08.20 बजे शुरू होगी और पंचमी तिथि की समाप्ति 30 मार्च 2024 को रात 09.13 बजे होगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार रंगपंचमी 30 मार्च को ही मनाना उचित होगा। इस दिन देवताओं के साथ होली खेलने का शुभ मुहूर्त सुबह 07.46 बजे से सुबह 09.19 बजे के बीच होगा।

रंग पंचमी का धार्मिक महत्व

हिंदू मान्यताओं के मुताबिक, रंग पंचमी मुख्य रूप से पंच तत्व पृथ्वी, अग्नि, वायु, जल एवं आकाश को सक्रिय करने के लिए मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता है कि रंगपंचमी पर यदि पवित्र मन से देवी-देवताओं की आराधना की जाती है तो वे आशीर्वाद देने के लिए धरती पर आते हैं। इस दिन देवताओं के साथ अबीर-गुलाल लगाकर होली खेलना चाहिए। ऐसा करने से कुंडली में मौजूद ग्रह दोष खत्म हो जाता है। देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती है। घर में धन की कमी नहीं होती है। व्यक्ति के तमोगुण और रजोगुण का नाश होता है। सतोगुण के विकास से जीवन में शांति रहती है।

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ इंदौर (म.प्र.)

शीतला अष्टमी पर क्यों लगाया जाता है बासी खाने का भोग? जानिए धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

श्रीमती नीतू मित्तल
8959760040
ज्योतिषाचार्य, इंदौर (म.प्र.)

हिंदू पंचांग के मुताबिक, होली के 8 दिन बाद शीतला अष्टमी का व्रत रखा जाता है। इस दिन को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे बसोड़ा या बासोड़ा के नाम से भी जाना जाता है। शीतला अष्टमी के दिन देवी शीतला की पूजा करने की परंपरा है। साथ ही इस तिथि पर देवी को बासी भोजन का भोग भी लगाया जाता है। आइए, जानते हैं कि ऐसा करने की पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक कारण क्या है।

शीतला अष्टमी धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शीतला माता को बासी भोजन बहुत प्रिय है। इसके साथ ही यह भी मान्यता है कि शीतला अष्टमी के दिन माता शीतला की पूजा करने और बासी भोजन का भोग लगाने से चेचक, खसरा आदि रोगों से भी मुक्ति मिलती है।

शीतला अष्टमी वैज्ञानिक महत्व

शीतला अष्टमी का वैज्ञानिक महत्व भी है। यह पर्व उस समय मनाया जाता है, जब शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का समय होता है। ऐसे में यह दो ऋतुओं का संधिकाल है। इस दौरान आपको अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अन्यथा आपकी सेहत पर इसका असर देखने को मिलेगा। माना जाता है कि इस मौसम में ठंडा खाना खाने से पाचन तंत्र ठीक रहता है। ऐसे में शीतला अष्टमी पर ठंडा खाना खाया जाता है।

इस तरह मनाया जाता है यह पर्व

बसोड़ा पर्व पर घरों में खाना पकाने के लिए आग का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसलिए बासोड़ा से एक दिन पहले मीठे चावल, रबड़ी, पुआ, हलवा, रोटी आदि पकवान बनाए जाते हैं। अगली सुबह वही बासी भोजन देवी शीतला को अर्पित किया जाता है। इसके बाद इस भोजन को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

देश के बाहर पहली बार कारोबार फैलाने जा रहा अमूल

अब अमेरिका में मिलेंगे प्रोडक्ट्स

एजेंसी

देश की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल पहली बार भारत के बाहर दूध ब्रिकी करेगी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) एक सप्ताह के भीतर अमेरिकी बाजार में दूध के चार किस्मों की पेशकश करेगा। इस पहल के जरिए कंपनी का उद्देश्य भारत बाहर बसे भारतीय और एशियाई लोगों की जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट पेश करना है।

अमेरिकी कंपनी के साथ किया समझौता

जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत करते हुए कहा कि हम कई दशकों से डेयरी उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। यह पहली बार है कि हम भारत के बाहर ताजे दूध की पेशकश कर रहे हैं। आगे बताया कि जीसीएमएमएफ ने अमेरिकी बाजार में ताजा दूध पेश करने के लिए 108 साल पुराने सहकारी संगठन मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीए) के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि दूध संग्रह और प्रसंस्करण एमएमपीए करेगा, जबकि जीसीएमएमएफ विपणन और ब्रांडिंग करेगा।

अमेरिका के कौन-कौन से शहर में मिलेंगे अमूल के प्रोडक्ट्स?

मेहता ने कहा कि उत्पाद हमारा होगा। एक सप्ताह के भीतर अमूल ताजा, अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल स्लिम एन ट्रिम अमेरिकी बाजार में उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि ताजा दूध न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, शिकागो, वाशिंगटन, डलास और टेक्सास सहित अन्य शहरों में मिलेगा। जीसीएमएमएफ इस पहल के

जरिए अनिवासी भारतीयों और एशियाई आबादी को लक्षित करेगा।

जल्दी ही पनीर और छाछ भी मिलेंगे

बिक्री लक्ष्य के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि जीसीएमएमएफ अगले 3-4 महीनों तक ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा कि हमें ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया की उम्मीद है। मेहता ने कहा कि जीसीएमएमएफ निकट भविष्य में पनीर, दही और छाछ जैसे ताजा दूध उत्पाद भी पेश करेगा।

अमूल की ओर से अमेरिका के न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, शिकागो, वाशिंगटन, डलास और टेक्सास सहित अन्य शहरों दूध लॉन्च करने का ऐलान किया गया है। इसके लिए अमूल ने एक अमेरिकी कंपनी से भी साझेदारी की है।

भारत में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग कंपनियों का कारोबार

2028 तक 6 अरब डॉलर हो जाएगा रेवेन्यू

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत का मोबाइल गेमिंग बाजार तेजी से बढ़ रहा है और इस वजह से असर गेमिंग इंडस्ट्री के राजस्व पर दिखा देखा। एक रिपोर्ट में बताया कि गेमिंग इंडस्ट्री का वार्षिक राजस्व 2023 के 3.1 अरब डॉलर से लगभग दोगुना होकर 2028 तक छह अरब डॉलर हो सकता है। राजस्व में बढ़ोतरी की मुख्य वजह गेमिंग यूजर्स का बढ़ना है, जो कि आने वाले चार वर्षों में करीब 70 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। इंटरएक्टिव एंटरटेनमेंट एंड इनोवेशन काउंसिल (IEIC) और ऑनलाइन गेमिंग कंपनी विंजो की एक संयुक्त रिपोर्ट में बुधवार को यह बात कही गई। आईईआईसी विश्लेषण और द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर 'इंडिया गेमिंग रिपोर्ट 2024' के तहत 2023 में गेम के लिए भुगतान करने वाले 14.4 करोड़ उपयोगकर्ताओं की तुलना में 2028 में यह संख्या 24 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है।

बाजार में 1400 कंपनियां से ज्यादा गेमिंग कंपनियां

रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय गेमिंग उद्योग में 1,400 से अधिक गेमिंग कंपनियां शामिल हैं, जिनमें 500 गेमिंग स्टूडियो भी शामिल हैं। गेमिंग का वार्षिक कारोबार 2028 तक छह अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में गेम डाउनलोड केवल चार साल में (2019 से 2023 तक) 5.65 अरब से बढ़कर 9.5 अरब हो गया। गेमिंग डाउनलोड में बढ़ोतरी की मुख्य वजह भारत में युवा आबादी का होना है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी रहती है। इस वृद्धि ने 2023 में वैश्विक गेम डाउनलोड में भारत की हिस्सेदारी को 16 प्रतिशत तक बढ़ा दिया। इसके बाद क्रमशः 4.5 अरब (7.6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी) डाउनलोड के साथ ब्राजील और 4.4 अरब (7.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी) डाउनलोड के साथ अमेरिका का स्थान रहा।

सेल्सफोर्स और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की साझेदारी वाहन लोन प्राप्त करने वाले ग्राहकों की डिजिटल ऑनबोर्डिंग संभव बनाएगी

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

सीआरएम समाधानों में ग्लोबल लीडर, सेल्सफोर्स ने आज भारत के अग्रणी एसएफबी, एयू स्मॉल फाईनेंस बैंक (एयू एसएफबी) के साथ गठबंधन की घोषणा की। इस गठबंधन का उद्देश्य बैंक के वाहन लोन के ग्राहकों के लिए एडवांस्ड डिजिटल कस्टमर ऑनबोर्डिंग सॉल्यूशन का क्रियान्वयन करना है। इस साझेदारी से टेक्नोलॉजी अपनाने की एयू एसएफबी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है, ताकि ग्राहक के साथ जुड़ाव बढ़ाकर ऑपरेशनल एफिशियंसी में सुधार लाया जा सके। सेल्सफोर्स की मदद से एयू एसएफबी रिलेशनशिप ऑफिसर्स एवं बिज़नेस मैनेजर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूर्णतः डिजिटाईज़्ड समाधानों का निर्माण करेगा। इस सहयोग के साथ बैंक अपने ग्राहकों द्वारा क्रेडिट एवं ऑपरेशंस का पूरा सफर एक ही प्लेटफॉर्म पर ले आएगा। इससे वो टर्नअराउंड टाईम (टीएटी) में तेजी ला सकेंगे, और विभिन्न डिजिटल चैनलों पर ग्राहक प्राप्त कर सकेंगे। बैंक द्वारा सेल्सफोर्स की मदद से अपने मौजूदा एपीआई स्टैक का उपयोग किया जाएगा, और मैन्युअल डेटा एंट्री कम करके डेटा वैलिडेशन की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जाएगा।

सेल्सफोर्स की टीम के सहयोग से एयू एसएफबी का उद्देश्य एडवांस्ड रिपोर्टिंग क्षमताओं के इंटीग्रेशन द्वारा ऑपरेशनल एफिशियंसी बढ़ाना है। इसमें क्रेडिट निर्णयों को अंडरराईट करने, डेटा और दस्तावेजों की पुष्टि करने, और यूज़र्स को हाथों-हाथ डैशबोर्ड प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं को व्यवस्थित करना शामिल है, ताकि पेपरलैस वर्कफ्लो में सुगम परिवर्तन संभव हो सके। इस सहयोग द्वारा नए फीचर्स एवं पॉलिसीज़ पेश की जाएंगी और चुनौतियों पर विजय प्राप्त की जाएगी।

इवास इलेक्ट्रिकल्स ने पेश किया एनर्जी-एफिशिएंट मैग्नस बीएलडीसी फैन कनेक्शन

भारत का पहला पीओएस टेक्नोलॉजी आधारित बीएलडीसी फैन

इंदौर। एजेंसी

भारत की लीडिंग कंस्ट्रक्शन मैटेरियल कंपनी इंफ्रा.मार्केट द्वारा संचालित इवास इलेक्ट्रिकल्स ने अपना लेटेस्ट इनोवेशन - मैग्नस बीएलडीसी फैन रेंज लॉन्च किया है। यह अत्याधुनिक सीरीज भारत में पहली बार फोटॉन ऑर्ब सीव (पीओएस) तकनीक पेश करती है, जो सीलिंग पंखों में एक नया मानक स्थापित करती है। बेहतरीन एयर-डिलिवरी की क्षमता और एनर्जी की बचत करने वाली 32W ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (BLDC) मोटर डिजाइन के साथ, मैग्नस आपके घर के अनुभव को बदल देता है। मैग्नस बीएलडीसी फैन कलेक्शन (पंखों का कलेक्शन) घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में इनोवेशन और स्थिरता के प्रति इवास इलेक्ट्रिकल्स की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। फर्स्ट-इन-इंडिया पीओएस टेक्नोलॉजी प्रशंसकों के लिए दिखने में बेहतर और एक चौंकाने वाला प्रोडक्ट पेश करती है, जबकि बीएलडीसी टेक्नोलॉजी ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता देती है और हवा के प्रवाह को बढ़ाती है। दिखने में खूबसूरत लगे, इस बात को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया, मैग्नस बीएलडीसी फैन कनेक्शन किसी भी कमरे में स्मार्ट टच देता है, जिससे एक संपूर्ण अनुभव बनता है। इस अवसर पर इवास इलेक्ट्रिकल्स के प्रेसिडेंट, रोहित माथुर ने कहा कि यह इनोवेशन के प्रति हमारे समर्पण का एक सच्चा उदाहरण है। हम मैग्नस सीरीज पेश करते हुए रोमांचित हैं। पीओएस टेक्नोलॉजी का एकीकरण सिर्फ एक सुविधा नहीं है, बल्कि यह हमारे ग्राहकों को कूलिंग समाधान से भी कुछ अधिक प्रदान करने की हमारी सोच का प्रमाण है। अपनी तकनीकी क्षमता, शानदार डिजाइन और कॉस्ट-एफिशिएंट (लागत-कुशल) सुविधाओं के साथ, यह रेंज पर्यावरण के लिहाज से भी टिकाऊ है, जो हमारे ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करती है।

नई सरकार में वाणिज्य मंत्रालय के 100 दिन के एजेंडे में शामिल हो सकता है यह काम

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 के 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 20.36 अरब डॉलर हो गया है। भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 12.39 अरब डॉलर रहा है। ब्रिटेन और ओमान के साथ भारत का प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (FTA) नई सरकार में वाणिज्य मंत्रालय के 100-दिन के एजेंडा की रूपरेखा में शामिल हो सकता है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। मंत्रालय देश से निर्यात बढ़ाने के लिए निर्यातक समुदाय से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वृहद आर्थिक सहयोग करार (CECA) के लिए मौजूदा आर्थिक सहयोग एवं व्यापार करार (ECTA) का दायरा बढ़ाने के लिए बातचीत भी अच्छी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 17 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्रियों से कहा था कि वे अपने-अपने मंत्रालयों के सचिवों और अन्य अधिकारियों से मिलकर इस बात पर चर्चा करें कि पहले 100 दिन और अगले पांच वर्षों के एजेंडे को बेहतर तरीके से कैसे लागू किया जा सकता है।

19 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं लोकसभा चुनाव

देश में सात चरणों के लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं। मतगणना चार जून को होगी। अधिकारी ने बताया कि इन दोनों एफटीए के लिए बातचीत अंतिम चरण में और ज्यादातर मुद्दों पर वार्ता पूरी हो चुकी है। अधिकारी ने कहा, "भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता में अधिकांश कठिन मामले समाधान की ओर बढ़ रहे हैं और दोनों पक्ष निष्पक्ष और न्यायसंगत समझौते के लिए सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।" भारत और ब्रिटेन ने जनवरी, 2022 में एफटीए के लिए बातचीत शुरू की थी। समझौते में 26 अध्याय हैं। इसमें वस्तुएं, सेवाएं, निवेश और बौद्धिक संपदा अधिकार शामिल हैं। 14वें दौर की बातचीत जनवरी में हुई थी।

जल्द पूरा होगा ओमान के साथ एफटीए

भारत और ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 के 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 20.36 अरब डॉलर हो गया है। शोध संस्थान जीटीआरआई (ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव) की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते में भारत के लिए कुल लाभ सीमित ही रहेगा। क्योंकि यहां से अधिकांश उत्पाद पहले से ही कम या शून्य शुल्क (आयात या सीमा शुल्क) पर वहां भेजे रहे हैं। ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर अधिकारी ने कहा कि यह जल्द पूरा हो जाएगा। भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 12.39 अरब डॉलर रहा है। यह 2021-22 में 10 अरब डॉलर था।

होटल ऐसोसिएशन ऑफ इंडिया ने के बी काचरू को दो साल के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना

आईएचसीएल के रोहित खोसला ने उपाध्यक्ष का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। एजेंसी

रैडिसन होटल ग्रुप में दक्षिण एशिया के चेयरमैन श्री के बी काचरू को होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) की ऐतिहासिक 100वीं कार्यकारी समिति की बैठक में दो साल के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया है। 18 मार्च 2024 को द पार्क, नई दिल्ली में एचएआई की 27वीं सालाना आम सभा के बाद कार्यकारी समिति की बैठक हुई थी। श्री काचरू निवर्तमान अध्यक्ष श्री पुनीत छटवाल, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईएचसीएल से कार्यभार ग्रहण करेंगे। कार्यकारी समिति ने इस बैठक में आईएचसीएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष-परिचालन श्री रोहित खोसला को ऐसोसिएशन का उपाध्यक्ष भी चुना है।

भारतीय हॉस्पिटैलिटी उद्योग की शीर्ष संस्था होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने सर्वसम्मति से अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया है जिनमें शामिल हैं: डॉ जे के मोहंती (प्रबंध निदेशक-स्वोस्ती प्रीमियम लिमिटेड) बतौर मानद सचिव तथा श्री संजय सेठी (प्रबंध निदेशक व सीईओ-षाले होटल्स लिमिटेड) बतौर मानद कोषाध्यक्ष। इनका कार्यकाल भी दो वर्ष का रहेगा। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए और टीम को बधाई देते हुए एचएआई के महासचिव एम पी बेज़बरुआ ने निवर्तमान समिति सदस्यों को धन्यवाद दिया और कहा कि उनके साथ ऐसोसिएशन का रिश्ता स्थाई और निरंतर है। श्री के बी काचरु ने एचएआई की बुनियाद मजबूत करने और हालिया कठिन समय में उद्योग को एकजुट कर आवाज उठाने के लिए निवर्तमान अध्यक्ष श्री पुनीत छटवाल का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ''कोरोना महामारी के दौरान एचएआई ने अन्य उद्योग संगठनों के साथ सहयोग किया, एक अग्रसक्रिय हिमायती योजना बनाई जिसमें पत्रिका शुरु करना, न्यूजलैटर का लांच तथा व्यापक पहुंच के लिए मीडिया के साथ सक्रियता से जुड़ना शामिल था।''

''बीते दो वर्षों में एचएआई ने श्री छटवाल के शानदार नेतृत्व में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। अब श्री काचरू के नेतृत्व में नया सफर शुरू करते हुए हम इस विरासत को और आगे ले जाने के लिए हम सकारात्मक हैं। हम एसोसिएशन को अगले मुकाम पर पहुंचाने व नए मानक रचने के लिए योगदान करते रहेंगे। आतिथ्य उद्योग को बहुत आशाएं हैं कि हमारा संगठन लक्ष्यों को हासिल करने में इंजन का काम करेगा। मुझे यकीन है कि श्री काचरू के नेतृत्व में नई प्रबंधन टीम पूरा प्रयास करेगी कि हमारी इंडस्ट्री को आने वाले वक्त में वह मान्यता मिले जिसकी वह हकदार है,'' श्री खोसला ने कहा।

सैमसंग टेक-सेवी भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एआई और हाइपर कनेक्टिविटी का तोहफा लेकर आएगा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के वाइस चेयरमैन, सीईओ और डिवाइस एक्सपीरियंस (DX) डिवीजन के हेड जोंग-ही (जेएच) हान ने स्टोर के उद्घाटन के बाद जियो वर्ल्ड प्लाजा, मुंबई में सैमसंग बीकेसी का पहली बार दौरा किया। उन्होंने अपने टेक-सेवी उपभोक्ताओं के लिए एआई और हाइपर कनेक्टिविटी लाकर भारतीय बाजार के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने उपभोक्ताओं को टेलीविजन और डिजिटल उपकरणों से लेकर स्मार्टफोन तक अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में सैमसंग के नए एआई इनोवेशन का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के वाइस चेयरमैन, सीईओ और डिवाइस एक्सपीरियंस (DX) डिवीजन के हेड जोंग-ही (जेएच) हान ने कहा 'एआई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में सुधार लाने के लिए कनेक्टेड टेक्नोलॉजीज को सक्षम बनाएगी और हमेशा बैकग्राउंड में रहेगी तथा दूसरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाएगी। खुले सहयोग के अपने मॉडल के साथ, हम अपने सभी उपभोक्ताओं के लिए एआई और हाइपर-कनेक्टिविटी लाना चाहते हैं। भारत एआई के लिए अगला बड़ा मैदान है और हमारा प्रमुख सैमसंग बीकेसी स्टोर हमारे 'एआई फॉर ऑल' नजरिए का प्रतीक है। ये 'वन सैमसंग' का प्रदर्शन करेगा। स्टोर के विभिन्न जोन में, उपभोक्ता हमारे एआई नजरिए को वास्तविकता में देख सकते हैं और यह अनुभव कर सकते हैं कि स्मार्ट और बेहतर अनुभव हमारे जीने के तरीके को फिर से कैसे परिभाषित करेंगे।' इस साल की शुरुआत में, हान ने सीईएस में सैमसंग के 'एआई फॉर ऑल' विज़न को पेश किया था जिसमें दिखाया गया था कि कैसे एआई लोगों को अपने उपकरणों को पहले से कहीं अधिक सहज और सुविधाजनक तरीके से इस्तेमाल करने की सुविधा देगा। अपने 'एआई फॉर ऑल' विजन के तहत, सैमसंग ने जनवरी में अपनी नई गैलेक्सी ए24 स्मार्टफोन सीरीज में गैलेक्सी एआई की पेशकश की थी।

टाटा मोटर्स ने दिल्ली के पास अत्याधुनिक रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया

हर साल 18,000 वाहनों को स्क्रैप कर सकेंगे

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

ऑटोमोबाइल बनाने वाली, भारत की अग्रणी कंपनी टाटा मोटर्स ने दिल्ली के पास अपनी पांचवी रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी (आरवीएसएफ) का उद्घाटन किया है। यह संवहनीय यातायात को बढ़ावा देने के लिये कंपनी की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सुविधा का नाम है 'Re.Wi.Re – Recycle with Respect' और इसका उद्घाटन टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ ने किया है। यह अत्याधुनिक सुविधा पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को अपनाती है।

यह हर साल ऐसे 18,000 वाहनों को सुरक्षित तरीके से खोलकर अलग कर सकती है, जिनका जीवन समाप्त हो चुका हो। जौहर मोटर्स के साथ भागीदारी में विकसित आरवीएसएफ सारे ब्राण्ड्स के यात्री एवं वाणिज्यिक वाहनों को जिम्मेदार तरीके से स्क्रैप कर सकती है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि जयपुर, भुवनेश्वर, सूरत और चंडीगढ़ में पहले खुल चुकी आरवीएसएफ की शानदार सफलता के बाद आई है। इस प्रकार कंपनी ने संवहनीय पहलों को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। इस महत्वपूर्ण लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ ने कहा, ''टाटा मोटर्स यातायात के भविष्य को आकार देने के लिये नवाचार और संवहनीयता में आगे रही है। हमारी पाँचवी स्क्रैपिंग सुविधा का लॉन्च होना संवहनीय पद्धतियों और वाहनों के जिम्मेदार निपटान को ज्यादा सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्क्रैप से वैल्यू बनाना चक्रीय अर्थव्यवस्था के लिये हमारी सोच के मुताबिक है। यह ऑटोमोटिव की संवहनीय पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिये सरकार के प्रयासों में योगदान भी देता है। यह अत्याधुनिक सुविधा वाहनों के जिम्मेदार तरीके से निपटान में नये मापदंड तय करेगी। यह सभी के लिये अधिक शुद्ध एवं संवहनीय भविष्य का रास्ता खोलेगी।''

शराब के विज्ञापनों पर और सख्ती की तैयारी, सरकार ने मांगा डेटा

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने शराब के ब्रांडों द्वारा फर्जी विज्ञापनों के कई मामले सामने आने के बाद, कंपनियों को विज्ञापन नियमों का उल्लंघन न करने के लिए आदेश दिया है। सीसीपीए ने कंपनियों से पिछले तीन सालों में शराब के साथ बेचे जाने वाले अन्य उत्पादों (जिनको ब्रांड एक्सटेंशन कहते हैं) की लिस्ट देने को कहा है। साथ ही सीसीपीए ने पिछले तीन सालों में शराब और ब्रांड एक्सटेंशन उत्पादों (मिनरल वॉटर, ताश के पत्ते, म्यूजिक सीडी) की बिक्री से जुड़ा हुआ रेवेन्यू और टर्नओवर डाटा भी मांगा है। इसके अलावा सीसीपीए पिछले तीन सालों में हुए ब्रांड एक्सटेंशन के प्रमोशन पर हुए खर्च का विवरण भी मांग रहा है, जिसमें इवेंट स्पॉन्सरशिप, अवॉर्ड सेरेमनी, म्यूजिक फेस्टिवल, सेलिब्रिटी और सोशल मीडिया प्रभावितों को किए गए पेमेंट और टीवी विज्ञापन शामिल हैं।

जारी किए ये निर्देश

सीसीपीए के चीफ कमिश्नर रोहित कुमार सिंह ने जारी किए गए निर्देश में कहा, 'यह जांच करना महत्वपूर्ण है कि ब्रांड एक्सटेंशन उत्पादों की वास्तविक बिक्री और उनके प्रचार पर खर्च किए गए धन के बीच कोई संबंध है या नहीं। यह आकलन यह निर्धारित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि क्या ब्रांड एक्सटेंशन उत्पादों का प्रचार वास्तव में विस्तारित उत्पाद को दर्शाता है या शराब के विज्ञापन के विकल्प के रूप में काम करता है।'

शराब के विज्ञापन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं, जिसके चलते कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए फर्जी विज्ञापन का सहारा लेती हैं। सीसीपीए का यह आदेश आईपीएल के लॉन्च होने के कुछ दिन पहले आया है, जब इस तरह के विज्ञापन अक्सर प्रसारित किए जाते हैं और सोशल मीडिया पर भी चलाए जाते हैं।

उपभोक्ता अधिकारों के लिए खतरा

दो-पन्ने के निर्देश में कहा गया है कि, ' उद्योग को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि सभी ब्रांड एक्सटेंशन विज्ञापन केवल वास्तविक विस्तार को ही दिखाए (अर्थात विज्ञापन पर होने वाले खर्च का अनुपात बिक्री और वितरण के अनुपात में होना चाहिए), और यह सुनिश्चित करें कि विज्ञापनों में प्रतिबंधित श्रेणी के किसी भी तरह के संकेत न हों, जैसे कि टैगलाइन और लेआउट, और विज्ञापित किए जा रहे एक्सटेंशन के कैटेगरी के नाम को दबाया न जाए।' इसने यह भी कहा कि फर्जी विज्ञापन उपभोक्ता अधिकारों के लिए खतरा हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।